Gb – यीशु ने पतरस, याकूब और यूहन्ना को ले लियाएक ऊँचे पर्वत
पर जहाँ उनका रूपान्तरण हुआ था मत्ती १७:१-८; मरकुस ९:२-८;
लूका ९:२८-३६ए | 1

– Save This Page as a PDF–

यीशु ने पतरस, याकूब और यूहन्ना को ले लियाएक ऊँचे पर्वत पर जहाँ उनका रूपान्तरण हुआ था

मत्ती १७:१-८; मरकुस ९:२-८; लूका ९:२८-३६ए

खोदाई: छह दिन हो गए थे जब पतरस ने घोषणा की थी कि येशुआ मेशियाक, जीवित परमेश्वर का पुत्र था। आगे क्या होगा उसके लिए वह संदर्भ क्यों महत्वपूर्ण है? रूपांतरित होने का क्या मतलब है? मूसा और एलिय्याह की उपस्थिति का क्या महत्व है? आवाज़ का? अपनी सेवकाई के इस चरण में यीशु के लिए यह क्यों महत्वपूर्ण होगा?

चिंतन: आपको कैसे एहसास हुआ कि प्रभु हमारे सभी उद्धारकर्ताओं में से एक हैं और अन्य सभी में से एक हैं जिनकी आपको बात सुननी चाहिए? आपके लिए कौन सा स्थान रूप-परिवर्तन पर्वत के समान है – जहाँ आपने एक विशेष तरीके से मसीह की महिमा का थोड़ा सा अंश समझा है? क्या हुआ? परमेश्वर ने तुम से क्या कहा, यह मेरा पुत्र है, जिस से मैं प्रेम रखता हूं; उससे मैं बहुत प्रसन्न हूँ?

यह मसीह की अपनी शिक्षाओं का उच्च बिंदु है, और मेशियाच के सच्चे अनुयायियों के लिए एक प्रोत्साहन प्रदान करता है। यह भविष्य के गौरव की एक झलक पेश करता है जो यरूशलेम में मृत्यु के साथ उनकी आगामी नियुक्ति की पीड़ा के बाद होगा।

यह कोई संयोग नहीं है कि अध्याय १७ छह दिनों के बाद प्रासंगिक कथन के साथ शुरू होता है, इसलिए, दोनों अध्यायों को एक साथ जोड़ता है। बारह के आंतरिक चक्र के लिए प्रकट राज्य का वादा वास्तव में अगले छह दिनों में पूरा हो जाएगा। उस समय यीशु ने पतरस, याकूब और याकूब के भाई यूहन्ना को अपने साथ लिया, और उन्हें प्रार्थना करने के लिए एक ऊँचे पहाड़ पर ले गया, जहाँ वे बिल्कुल अकेले थे (मत्तीयाहु १७:१; मरकुस ९:२ए)। लूका का कहना है कि यह लगभग आठ दिन का था (लूका ९:२८)। यहां कोई विरोधाभास नहीं है, क्योंकि मती और मरकुस पतरस के कबूलनामे और रूपान्तरण के बीच के दिनों की गिनती कर रहे थे, जबकि लूका केफा के कबूलनामे के पहले दिन और आठवें दिन से गिनती कर रहा था जिस दिन रूपान्तरण हुआ था। भूगोल और कैसरिया फिलिप्पी से निकटता के आधार पर, वह ऊँचा पर्वत कोई और नहीं बल्कि विशाल, बर्फीला माउंट हर्मन हो सकता है।

यदि आप आज इज़राइल जाते हैं, तो वे आपको माउंट हर्मन के दक्षिण में माउंट ताबोर नामक एक अन्य पर्वत पर ले जाएंगे, जहां ट्रांसफ़िगरेशन चर्च बनाया गया है। यह रूपान्तरण का कैथोलिक दृश्य है। लेकिन यह लगभग ४५ मील दूर है। और इसके अलावा,

Gb – यीशु ने पतरस, याकूब और यूहन्ना को ले लियाएक ऊँचे पर्वत
पर जहाँ उनका रूपान्तरण हुआ था मत्ती १७:१-८; मरकुस ९:२-८;
लूका ९:२८-३६ए | 2

माउंट ताबोर इतना एकांत स्थान नहीं था। यह हमेशा अच्छी तरह से किलेबंद था क्योंकि यह यिज्रेल की घाटी के सात प्रमुख प्रवेश द्वारों में से एक था।

जैसे ही चारों पहाड़ पर चढ़े, छोटा समूह बीच-बीच में आराम करने के लिए रुका। अपने ही विचारों में डूबे हुए, वे गलील प्रांत को देख सकते थे, जिसमें कई कस्बे और गाँव थे। प्रत्येक व्यक्ति को संभवतः गैलीलियन अभियान के व्यस्त सप्ताहों और वापसी के दुखद समय के अपने अनुभव याद थे, जब उन्हें उनके दुश्मनों द्वारा सताया गया था और भगा दिया गया था। या हो सकता है कि वे दूर तक नज़र डालें और दाऊद के शहर को देखें, जहाँ यीशु ने कहा था कि उसे जल्द ही कष्ट सहना होगा और मरना होगा।

उस दिन पहाड़ पर चढ़ने के बाद, सब्बाथ-सूरज ढलना शुरू हो गया था और गर्मियों की हवा में एक सुखद ठंडक घुल गई थी क्योंकि प्रभु और तीन प्रेरितों ने अपनी चढ़ाई पूरी कर ली थी। भूमि के सभी हिस्सों से, यरूशलेम और टायर तक, देखने में एक बड़ी वस्तु बर्फ से ढका माउंट हर्मन था। गलील का सागर पास की पहाड़ियों के बीच हल्के हरे-पीले रंग से जगमगा रहा था। कुछ ही मिनटों में स्पष्टता समाप्त हो गई, और उनके सामने एक पीला, स्टील रंग का शेड नीचे खींच लिया गया। यह एक लंबे पिरामिड की छाया की तरह था जो माउंट हर्मन के पूर्वी तल तक फिसलती हुई बड़े मैदान में रेंगती हुई चली गई थी। दमिश्क को उसने निगल लिया। अंत में, छाया का नुकीला सिरा आकाश के सामने स्पष्ट रूप से खड़ा हो गया – सूर्यास्त की लालिमा के सामने फीके रंग का एक सांवला शंकु। यह पहाड़ की ही छाया थी, जो मैदान में सत्तर मील तक फैली हुई थी।

घने बादलों के बीच सूरज के आकार में अजीब परिवर्तन हुए, आख़िरकार वह समुद्र में जा गिरा और लाल चिंगारी की तरह बुझ गया। और ऊपर, तारों से भरा मेजबान आकाश में एक गवाह के रूप में एक-एक करके बाहर आया (मेरी टिप्पणी देखें उत्पत्ति Lw– सितारों का गवाह)। हम ठीक से नहीं जानते कि उन्होंने कौन सा रास्ता अपनाया, लेकिन जब वे सब्त की ठंडी शाम को शिखर पर पहुंचे, तो बर्फ की खुशबू – जिसके लिए गर्मी की गर्मी में सूखी जीभ तरसती थी – ने उन्हें तरोताजा कर दिया होगा। और अब चंद्रमा चकाचौंध भव्यता में बाहर खड़ा था। इसने पहाड़ पर लंबी छाया डाली और बर्फ के चौड़े टुकड़ों को रोशन कर दिया, जिससे उनकी चमक झलक रही थी।

और वह प्रार्थना कर रहा था (लूका ९:२९ए)। विवरण जाने बिना, यीशु के पास प्रार्थना करने के लिए बहुत कुछ था। इसमें कोई संदेह नहीं कि उसने अपने प्रेरितों के साथ प्रार्थना की और उसने उनके लिए प्रार्थना की, जैसे एलीशा ने अपने नौकर के लिए प्रार्थना की थी जब सीरियाई घुड़सवारों ने दोतान शहर को घेर लिया था – ताकि उसकी आंखें खुल जाएं ताकि वह घोड़ों और आग के रथों से भरी पहाड़ियों को देख सके। उनके चारों ओर, उनके विरोधियों से कहीं अधिक उनके साथ हैं (दूसरा राजा ६:८-२३)। इस प्रकार मसीह ने अपने तीन शिष्यों के लिए प्रार्थना की ताकि वे अपनी आध्यात्मिक आँखों से देख सकें और वास्तविकता को समझ सकें कि वह वास्तव में कौन था।

Gb – यीशु ने पतरस, याकूब और यूहन्ना को ले लियाएक ऊँचे पर्वत
पर जहाँ उनका रूपान्तरण हुआ था मत्ती १७:१-८; मरकुस ९:२-८;
लूका ९:२८-३६ए | 3

लेकिन पतरस और उसके साथी बहुत नींद में थे, और गेथसमेन के बगीचे की तरह (मत्तीयाहु २६:४०-४५), तीनों प्रेरितों ने प्रार्थना करना शुरू कर दिया, लेकिन सीखे जाने वाले पाठ की विशालता के बावजूद जाग नहीं सके। समुद्र तल से ९,००० फीट की ऊँचाई पर चढ़ाई कठिन थी, और पहाड़ की हवा पतली थी। एक बार जब वे रुके, तो थकावट आ गई होगी और परिणामस्वरूप, उन्हें झपकी आ गई।

जब यीशु प्रार्थना कर रहे थे तो उनके चेहरे का रूप
बदल गया और सूर्य की तरह चमकने लगा। यह माउंट सिनाई पर मोशे के अनुभव के समान है (मेरी टिप्पणी देखें निर्गमन पर Hd – मूसा का दीप्तिमान चेहरा)। अंतर यह था कि मूसा के चेहरे की चमक एक प्रतिबिंब थी, जैसे चंद्रमा की चमक सूरज का प्रतिबिंब थी। इस मामले में मसीहा शचीना की महिमा है (मेरी टिप्पणी देखें यशायाह पर Ju– प्रभु की महिमा आप पर उगती है)। परिणामस्वरूप, उसके चेहरे की चमक मूसा के चेहरे से कहीं अधिक थी। मसीह की छिपी हुई महिमा का अनावरण किया गया। और जब तीनों प्रेरित पूरी तरह जाग गए, तो उन्होंने उसकी महिमा देखी (मती १७:२बी; लूका ९:२९बी- ३२ए)। निम्नलिखित घटनाओं में, तीन शक्तिशाली प्रमाण थे कि येशुआ वास्तव में वादा किया गया मेशियाक था।

सबसे पहले, पुत्र का परिवर्तन हुआ। वहाँ उनके सामने उसका रूपान्तर हुआ (मत्तीयाहु १७:२ए; मरकुस ९:२बी)। ट्रांसफ़िगर शब्द का अर्थ है कि कायापलट हुआ। इसने मसीह को एक बाहरी अभिव्यक्ति दी जो वास्तव में उनके आंतरिक चरित्र को प्रतिबिंबित करती है। यीशु सामान्य मानव रूप में तीस वर्षों से अधिक समय से रह रहे थे, लेकिन अब उन्हें आंशिक रूप से यहोवा की चमकदार महिमा में देखा गया था (इब्रानियों १:१-३)। स्वयं के भीतर से, एक तरह से जो पूर्ण विवरण को नकारता है, पूर्ण व्याख्या की तो बात ही छोड़िए, येशुआ की दिव्य महिमा पतरस, याकूब और युहन्ना के सामने देखी गई थी।

वे जो देख रहे थे वह वह महिमा थी जो प्रभु को मसीहा के राज्य में मिलेगी जिसका वादा पिछले खंड में किया गया था (Ga– यदि कोई मनुष्य के पुत्र से शर्मिंदा है, तो जब वह आएगा तब वह उनसे शर्मिंदा होगा)। यह उनके भविष्य में आने वाले गौरव का एक

Gb – यीशु ने पतरस, याकूब और यूहन्ना को ले लियाएक ऊँचे पर्वत
पर जहाँ उनका रूपान्तरण हुआ था मत्ती १७:१-८; मरकुस ९:२-८;
लूका ९:२८-३६ए | 4

शानदार पूर्वावलोकन और गारंटी थी। पटमोस पर अपने दर्शन में, योचनान ने लौटते हुए मसीहा को मनुष्य के पुत्र के रूप में देखा, जो उसके पैरों तक पहुंचने वाले वस्त्र पहने हुए था और उसकी छाती के चारों ओर एक सुनहरा पट्टा था। उसके सिर के बाल ऊन के समान श्वेत, बर्फ के समान श्वेत थे, और उसकी आँखें धधकती आग के समान थीं। उसके पाँव भट्टी में चमकते हुए पीतल के समान थे, और उसकी आवाज़ तेज जल के शब्द के समान थी। उसके दाहिने हाथ में सात तारे थे, और उसके मुँह से एक तेज़, दोधारी तलवार निकल रही थी। उसका मुख सूर्य के समान अपनी सारी चमक में चमक रहा था (प्रकाशितवाक्य १:१३-१६)।

और उसके कपड़े बिजली की चमक के समान चमकदार सफेद हो गए, दुनिया में कोई भी उन्हें ब्लीच नहीं कर सकता था (मती १७:२ सी; मरकुस ९:३; लूका ९:२९ सी) से भी ज्यादा सफेद। यहाँ मसीह के ईश्वरत्व की सबसे बड़ी पुष्टि थी। किसी भी अन्य अवसर से अधिक, यहाँ, यीशु ने अपनी असली पहचान, परमेश्वर के पुत्र, को प्रकट किया। तानाख की शेचिना महिमा की तरह, यहां परमेश्वर ने स्वयं को मानव आंखों के सामने प्रकाश के रूप में इतना चमकदार और जबरदस्त रूप में चित्रित किया कि इसे मुश्किल से ही झेला जा सका। रात के अँधेरे में प्रकाश का विरोधाभास वस्तुतः चकाचौंध करने वाला रहा होगा।



दूसरा, भविष्यवक्ताओं की गवाही थी। तभी
प्रेरितों के सामने दो व्यक्ति प्रकट हुए जो शानदार वैभव में प्रभु के साथ खड़े थे। उन्हें अचानक एहसास हुआ कि मूसा और एलिय्याह यीशु के साथ बात कर रहे थे (मत्तीयाहू १७:३; मरकुस ९:४; लूका ९:३० और ९:३२बी)। औसत यहूदी के लिए, इज़राइल के ये दो नेता तानाख के पूरे इतिहास का प्रतिनिधित्व करेंगे। मूसा ने तोराह का प्रतिनिधित्व किया और एलिय्याह ने भाबिसत्बकता का प्रतिनिधित्व किया। किसी अन्य की तरह, वे मसीहा की दिव्य महिमा और महिमा की मानवीय गवाही दे सकते थे। उनकी एक साथ उपस्थिति से, ऐसा लगता था मानो वे कह रहे हों, “यह वही है जिसकी हमने गवाही दी थी, वही है जिसकी शक्ति में हमने सेवा की थी, और वही है जिसमें हमने जो कुछ भी कहा और किया उसका अर्थ था। हमने जो कुछ भी कहा, पूरा किया, और आशा की वह सब उसमें पूरा हो गया है, और केवल इतना ही नहीं, बल्कि उसकी दिव्य योजना तय समय पर है।’

चूँकि एलिय्याह ने कभी मृत्यु का स्वाद नहीं चखा, बल्कि उसे अग्नि के रथ पर स्वर्ग तक उठा लिया गया, इसलिए वह यहूदी परंपरा में एक विशेष स्थान रखता है। एक

Gb – यीशु ने पतरस, याकूब और यूहन्ना को ले लियाएक ऊँचे पर्वत
पर जहाँ उनका रूपान्तरण हुआ था मत्ती १७:१-८; मरकुस ९:२-८;
लूका ९:२८-३६ए | 5

उदाहरण रब्बी साहित्य में पाया जाता है जहां अक्सर एक अनसुलझी धार्मिक समस्या होती है। ऐसे मामलों में, टेकू शब्द का प्रयोग किया जाता है, जिसका अर्थ है कि यह अनसुलझा है। कुछ लोगों के अनुसार, टेकु हिब्रू में एक संक्षिप्त नाम से लिया गया है जिसका अनुवाद है: तिश्बी सभी कठिनाइयों और प्रश्नों का समाधान करेगा। तिशबी एलिय्याह तिशबाइट से आता है (प्रथम राजा १७:१)। राशी द्वारा अपने न्यायाधीशों २०:४५ मिडराश में एक मूल टिप्पणी है कि वहां वर्णित गृह युद्ध के बाद, जिसमें बेंजामिन की अधिकांश जनजाति का सफाया हो गया था, जनजाति के लगभग एक सौ सदस्य रोम और जर्मनी की भूमि पर भाग गए। जो लोग एलिय्याह (या उसके पूर्वजों) सहित पीछे रह गए, उन्हें तोशविम, या भूमि के निवासी कहा जाने लगा। इस प्रकार, जब यहूदी धर्म की अनसुलझी समस्याओं पर चर्चा की जाती है, तो यह माना जाता है कि तिश्बी, या जो लोग भूमि में रहते हैं, वे सभी कठिनाइयों और प्रश्नों का समाधान करेंगे। साथ ही परंपरा एक विशेष आशा की बात करती है कि एलिय्याह राजा मसीहा के आगमन की घोषणा करने के लिए फिर से प्रकट होगा (प्रकाशितवाक्य बीडब्ल्यू पर मेरी टिप्पणी देखें
– देखें, मैं प्रभु के आने से पहले आपको भाबिसत्बकता एलिय्याह भेजूंगा)।

इन वादों को फसह सेडर में याद किया जाता है, क्योंकि एलिय्याह का प्याला इस आशा के साथ अलग रखा जाता है कि वह मेशियाक के आने की घोषणा करने के लिए फिर से प्रकट होगा। इन दो विशेष भविष्यवक्ताओं का संयोजन रब्बी विचार में अच्छी तरह से जाना जाता है: मूसा, मैं तुमसे कसम खाता हूँ, जैसे तुमने इस दुनिया में उनकी सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया, वैसे ही आने वाले समय में भी जब मैं एलिय्याह, भविष्यवक्ता को उनके पास लाऊंगा। , तुम दोनों एक साथ आओगे (देवरिम रबा ३:१७)। एक ऊँचे पहाड़ पर यीशु के साथ मूसा और एलिय्याह की उपस्थिति निश्चित रूप से नवीनीकृत वाचा के केंद्रीय संदेश की पुष्टि थी – मसीहा पिताओं से किए गए सभी वादों की पूर्ति है जैसा कि टोरा और भविष्यवक्ताओं में देखा गया है।

यह लूका ही है जो मसीह की आने वाली मृत्यु और स्वर्गारोहण के विषय की पहचान करता है, वस्तुतः उसका प्रस्थान या निर्वासन जिसके बारे में मूसा और एलिय्याह उसके साथ चर्चा कर रहे थे। उन्होंने उनके जाने के बारे में बात की। वे वहां खड़े होकर केवल येशुआ की महिमा पर विचार नहीं कर रहे थे, बल्कि एक मित्र के रूप में उससे उसकी आसन्न मृत्यु और पुनरुत्थान के बारे में बात कर रहे थे, जो यरूशलेम में पूरा होने वाला था (लूका ९:३१)। यह उनके मंत्रालय का एक अपरिहार्य हिस्सा था, जिसके बिना पाप से मुक्ति असंभव होती (निर्गमन Bz– पाप मुक्ति पर मेरी टिप्पणी देखें)।

इस परंपरा और यहूदी इतिहास को ध्यान में रखते हुए, इसमें कोई आश्चर्य नहीं था कि बारह लोगों की इतनी तीव्र प्रतिक्रिया थी। जब वे लोग यीशु को छोड़कर जा रहे थे, तो केफ़ा ने उससे कहा, “हे प्रभु, हमारा यहाँ रहना अच्छा है। आइए हम तीन झोपड़ियाँ बनाएँ – एक तुम्हारे लिए, एक मूसा के लिए और एक एलिय्याह के लिए।” इसके अलावा, वह नहीं जानता था कि क्या कहे क्योंकि वे सभी बहुत डरे हुए थे (मत्ती १७:४; मरकुस ९:५-६; लूका ९:३३ए)। इसके लिए पतरस को काफी गर्मी लगती है। उस पर या तो

Gb – यीशु ने पतरस, याकूब और यूहन्ना को ले लियाएक ऊँचे पर्वत
पर जहाँ उनका रूपान्तरण हुआ था मत्ती १७:१-८; मरकुस ९:२-८;
लूका ९:२८-३६ए | 6

यीशु को मूसा और एलिय्याह के स्तर तक गिराने का, या दोनों को मसीह के स्तर तक ऊपर उठाने का आरोप है। लेकिन, उनकी पेशकश किसी भी पारंपरिक यहूदी के लिए सबसे स्वाभाविक प्रतिक्रिया रही होगी। लेकिन परमेश्वर ने उससे जो छिपाया था उसके कारण उसका समय थोड़ा ख़राब हो गया था। वह स्पष्ट रूप से जानता है कि यीशु मसीहा है, लेकिन वह चर्च युग या दो आगमन के कार्यक्रम के बारे में नहीं जानता क्योंकि यह तानाख के धर्मी लोगों के लिए एक रहस्य था (इफिसियों ३:२-११)।

पतरस ने उस महिमा को देखा जो मसीहा के साम्राज्य में होगी। एक चौकस यहूदी और धर्मग्रंथों का विद्यार्थी होने के नाते, पतरस जानता था कि मसीहाई राज्य झोपड़ियों के पर्व की पूर्ति थी (जकर्याह १४:१६-२१)। तो दो और दो को एक साथ रखकर, वह एक अनुमान लगाता है कि राज्य स्थापित होने वाला था! इसलिए वह झोपड़ियों का पर्व मनाने के लिए तीन बूथ बनाना चाहता था। परन्तु उसका समय समाप्त हो गया है क्योंकि फसह का पर्व झोपड़ियों के पर्व से पहले आता है। फसह मसीहा की मृत्यु से पूरा होता है। दूसरे शब्दों में, यीशु को पहले मरना होगा!

लूका ने संपादकीय में कहा कि पतरस को नहीं पता था कि वह उस समय क्या कह रहा था (लूका ९:३३बी)। विचार यह नहीं था कि पतरस ने आने वाले मसीहा साम्राज्य के महत्व को गलत समझा – वह इस संबंध में सही था। समस्या यह थी कि वह उस क्षण के उत्साह में फंस गया होगा और भूल गया होगा, या पूरी तरह से समझ नहीं पाया होगा, कि यीशु ने भविष्यवाणी की थी कि वह पीड़ित होगा और मर जाएगा (लूका ९:२३-२४)। लेकिन बाद में उसके जीवन में केफा घोषणा करेगा: क्योंकि जब हमने आपको हमारे प्रभु यीशु मसीह के सत्ता में आने के बारे में बताया था तो हमने चतुराई से तैयार की गई कहानियों का पालन नहीं किया था, लेकिन हम उनकी महिमा के प्रत्यक्षदर्शी थे (दूसरा पतरस १:१६)।

तीसरा, पिता का आतंक था। पतरस अभी बोल ही रहा था कि शकीना की महिमा, एक चमकीले बादल के रूप में प्रकट हुई और उन तीनों को ढक लिया। वही बादल जो सीनै पर्वत पर छाया हुआ था, उसी ने उन पर भी छा लिया और वे उसके घिर जाने से डर गए (लूका ९:३४)। दूसरी बार, बैट-कोल, या परमपिता परमेश्वर की आवाज़ स्वर्ग से सुनाई दी। पहली बार मसीह के बपतिस्मा पर था। यहां उन्होंने वही दोहराया जो उन्होंने तब कहा था: यह मेरा बेटा है, जिससे मैं प्यार करता हूं; उससे मैं बहुत प्रसन्न हूं। लेकिन तब परमेश्वर ने तात्कालिकता की भावना जोड़ी जब उसने कहा: उसकी बात सुनो (मती १७:५; मरकुस ९:७; लूका ९:३५)! ईश्वर द्वारा समय-समय पर स्वर्ग से बोलने का विचार रब्बियों के बीच अज्ञात नहीं था। रब्बी सिखाते हैं कि हाग्गै, जकर्याह और मलाकी की मृत्यु के बाद, भविष्यवक्ताओं में से अंतिम, रूआच हाकोडेश इज़राइल से चला गया; फिर भी उन्हें बैट-कोल के माध्यम से ईश्वर से संचार प्राप्त हुआ (तोसेफ्ता सोता १३:२)। चूँकि सीधे तौर पर अडोनाई की आवाज सुनने पर विचार करना बहुत तीव्र था, इसलिए यह माना जाता था कि बैट-कोल एक प्रतिध्वनि विक्षेपण था जैसा कि यहोवा ने अपने लोगों को आदेश दिया था। शिष्यों ने टोरा (मूसा), और भाबिसत्बकता (एलियाह)

Gb – यीशु ने पतरस, याकूब और यूहन्ना को ले लियाएक ऊँचे पर्वत
पर जहाँ उनका रूपान्तरण हुआ था मत्ती १७:१-८; मरकुस ९:२-८;
लूका ९:२८-३६ए | 7

को सुना, अब उन्हें उसे सुनने की ज़रूरत थी! इब्रानियों हमें बताता है कि परमेश्वर पुत्र, परमेश्वर पिता का अंतिम प्रकाशन है (इब्रानियों १:१-३)।

जब तीनों प्रेरितों ने यह सुना, तो उन्हें पता चल गया कि वे एल शादाई की उपस्थिति में थे और भयभीत होकर भूमि पर मुँह के बल गिर पड़े (मती १७:६)। मसीहा की महिमा, उनके प्रेम, उनके न्याय और उनके आधिपत्य की संयुक्त जागरूकता से प्रत्येक आस्तिक में एक प्रकार का आध्यात्मिक तनाव पैदा होना चाहिए। एक ओर हम यीशु की प्रेमपूर्ण मित्रता, अनुग्रह और दया पर आनन्दित हो सकते हैं, लेकिन दूसरी ओर हमें प्रभु की अत्यधिक पवित्रता और धार्मिकता पर चिंतन करते समय हमेशा एक श्रद्धापूर्ण भय बनाए रखने की आवश्यकता है। इसे यहोवा और हाशेम नामों के अंतर में देखा जाता है; पहला “डैडी” और दूसरा “सर” कहने जैसा है। प्रभु कहते हैं: आओ, आओ मिलकर इस पर बात करें (यशायाह १:१८ सीजेबी), जबकि यहोवा कहता है: यहोवा का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है (भजन १११:१०क)।

लेकिन अपनी प्रतिभा के शक्तिशाली प्रदर्शन के बाद यीशु के पहले कार्य और शब्द सौम्य, प्रेमपूर्ण देखभाल के थे। यह जानते हुए कि उसके तीन दोस्त कितने बड़े डर में थे, येशुआ आया और उन्हें छुआ। उन्होंने कहा, उठो। डरो मत (मती १७:७) और मानो बात को घर तक ले जाने के लिए, जैसे ही बादल उठा और उन्होंने अचानक ऊपर देखा, उन्हें यीशु के अलावा किसी और को न देखकर राहत मिली होगी (मती १७:८; मरकुस ९:८; लूका ९:३६ए)। मूसा और एलिय्याह चले गए थे, उनका काम पूरा हो चुका था और मसीह ने उनका स्थान ले लिया था। वह तब परमेश्वर का अधिकृत शासक और प्रवक्ता था। फिर भी, उन्हें मेशियाच बेन डेविड के अंतिम दूसरे आगमन की प्रतीक्षा जारी रखनी होगी (जैसा कि हम आज करते हैं) (देखें Mv– दो मसीहा की यहूदी अवधारणा)।

रूपान्तरण के पाँच धार्मिक निहितार्थ हैं। सबसे पहले, इसने प्रमाणित किया कि यीशु मसीहा थे। उसे मनुष्यों ने अस्वीकार कर दिया था लेकिन पिता ने उसे स्वीकार कर लिया। दूसरे, इसने मसीहा साम्राज्य के आने की आशंका जताई। तीसरा, इसने टोरा और भविष्यवक्ताओं की पूर्ति की गारंटी दी (२ पतरस १:१९-२१)। यह परलोक की प्रतिज्ञा थी। मूसा मर गया और वह तानाख के धर्मी का प्रतिनिधित्व करता है जिसे मृतकों में से पुनर्जीवित किया जाएगा; और एलिय्याह की मृत्यु नहीं हुई और वह तानाख के धर्मी का प्रतिनिधित्व करता है जिसे उत्साह के समय जीवित रूप में अनुवादित किया जाएगा। पाँचवें, यह हमारे प्रति परमेश्वर के प्रेम का माप था। यीशु ने अपनी महिमा पर दो बार पर्दा डाला। पहली बार अवतार के समय, और दूसरी बार जब वह हर्मन पर्वत से नीचे आये। उसके स्वर्गारोहण के बाद ही उसकी महिमा सदैव के लिए प्रकट होगी (प्रकाशितवाक्य १:१२-१६)। युहन्ना उसे उसकी शचीना महिमा की पूर्णता में देखता है, अब पर्दा नहीं। जब वह अपने दूसरे आगमन पर वापस आएगा तो यह उसकी प्रकट महिमा के साथ होगा।

१९१५ में पादरी विलियम बार्टन ने लेखों की एक श्रृंखला प्रकाशित करना शुरू

Gb – यीशु ने पतरस, याकूब और यूहन्ना को ले लियाएक ऊँचे पर्वत
पर जहाँ उनका रूपान्तरण हुआ था मत्ती १७:१-८; मरकुस ९:२-८;
लूका ९:२८-३६ए | 8

किया। एक प्राचीन कथाकार की पुरातन भाषा का उपयोग करते हुए, उन्होंने अपने दृष्टान्तों को सफेड द सेज के उपनाम से लिखा। और अगले पंद्रह वर्षों तक उन्होंने सफ़ेद और उसकी स्थायी पत्नी केतुराह के ज्ञान को साझा किया। यह एक ऐसी शैली थी जिसका उन्होंने आनंद लिया। कहा जाता है कि १९२० के दशक की शुरुआत तक सफ़ेद के अनुयायियों की संख्या कम से कम तीन मिलियन थी। एक सामान्य घटना को आध्यात्मिक सत्य के चित्रण में बदलना हमेशा बार्टन के मंत्रालय का मुख्य विषय रहा है।

अब गर्मियों में ऐसा हुआ कि मैं एक छोटी सी झील के किनारे यात्रा करने लगा, जो मेरे निवास स्थान के पश्चिम में स्थित थी। और एक शाम थी जब मैंने सूरज को डूबते हुए देखा, और देखा कि वह शानदार था। और जैसे ही मैं उससे दूर हुआ और अपने आवास में प्रवेश किया, देखो मेरी अपनी छाया मेरे सामने चली गई, और मेरे प्रवेश करते ही कमरे की भीतरी दीवार पर चढ़ गई। और जैसे ही मैं आगे बढ़ा, देखो, दीवार पर एक और छाया उभरी, और यह पहली जैसी ही थी, यहाँ तक कि मेरी अपनी छाया भी। और मुझे इस बात पर बहुत आश्चर्य हुआ कि एक आदमी को दो छायाएँ बनानी चाहिए। और बात अजीब सी लग रही थी।

लेकिन इसका कारण यह था, जैसे-जैसे सूर्य अस्त हो रहा था, वह पानी पर चमक रहा था और दूसरे सूर्य की तरह चमक रहा था, और आकाश में सूर्य से भी अधिक चमकीली और ऊंची छाया डाल रहा था। क्योंकि आकाश में सूर्य वृक्षों के कारण आंशिक रूप से छिपा हुआ था; लेकिन झील से सूर्य ने अपनी परावर्तित किरणें शाखाओं के नीचे डालीं और स्पष्ट रूप से दिखाई दीं। और ऐसा हुआ कि मेरी दृष्टि में परावर्तित सूर्य वास्तविक सूर्य की तुलना में अधिक चमकीला था, और उसकी छाया बड़ी और लंबी थी।

और मैंने अपनी आत्मा में सोचा कि कैसे पुरुषों और महिलाओं को परमप्रधान परमेश्वर का दर्शन अक्सर अस्पष्ट हो जाता है; और ऐसे लोग कैसे हैं जिन्हें परावर्तित प्रकाश द्वारा उसके व्यक्तित्व की अत्यधिक चमक को देखना चाहिए। और मैंने अपने परमेश्वर से प्रार्थना की कि जैसे ही मैं उसके प्रकाश को प्रतिबिंबित करूं, ये लोग धार्मिकता के पुत्र की सच्ची महिमा देख सकें।

यदि आपने अपना जीवन मसीह को दे दिया है, तो ईश्वर आप में वास करता है। और चूँकि ईश्वर आप में रहता है, इसलिए आपको रूपांतरित होने की आवश्यकता है: इस दुनिया के पैटर्न के अनुरूप न बनें, बल्कि अपने मन के नवीनीकरण द्वारा रूपांतरित हों। तब आप परखने और अनुमोदन करने में सक्षम होंगे कि परमेश्वर की इच्छा क्या है – उसकी अच्छी, सुखदायक और सिद्ध इच्छा (रोमियों १२:२)। और हम सभी, जो खुले चेहरों के साथ प्रभु की महिमा का चिंतन करते हैं, निरंतर बढ़ती हुई महिमा के साथ उनकी छवि में परिवर्तित होते जा रहे हैं, जो प्रभु से आती है, जो आत्मा है (२ कुरिन्थियों ३:१८)। एक आस्तिक का जीवन आपमें ईश्वर की महिमा प्रकट होने की प्रक्रिया है।